>

Title: Need to increase the allowances of Grameen Dak Sevaks and declare them as Central Government employees.

श्री राकेश सचान (फतेहपुर): भारतीय डाक विभाग में ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 100 वर्षों से देश के हर कोने-कोने में डाकों का वितरण ग्रामीण डाक सेवकों के द्वारा किया जा रहा है और इन्हीं ग्रामीण डाक सेवकों के बदौलत ही संचाल मंत्रालय पूरे हिंदुस्तान में प्रत्येक क्षेत्र में अपने संदेश भिजवा रहा है परंतु इन सेवकों को अभी तक संचार मंत्रालय ने केन्द्रीय कर्मचारियों का दर्जा नहीं दिया गया है। ग्रामीण डाक सेवकों से पूरे दिन के कार्य को देखते हुये मात्र 3 से 5 घंटे का ही भत्ता पांच से सात हजार रूपये ही दिया जा रहा है। ग्रामीण डाक सेवकों को अभी तक स्वास्थ्य सुविधा एवं पेंशन की सुविधा भी नहीं दी जा रही है औन न ही इनको उच्च शिक्षा की योग्यता का लाभ भी सरकार पदोन्नति के रूप में नहीं दे रही है। आज देश के सभी हिस्सों में तथा मेरे क्षेत्र फतेहपुर में सबसे कमजोर ग्रामीण डाक सेवक है और आज के इस महंगाई के दौर में इनकी आर्थिक स्थिति बहुत ही खराब हो गई है।

अतः मेरा भारत सरकार के संचार मंत्रालय से मांग है कि वह ग्रामीण डाक सेवकों को इस महंगाई के समय में इन्हें कम से कम 20 हजार से 25 हजार रूपये भत्ते के रूप में दिया जाये साथ ही इन सभी को अविलंब केन्द्रीय कर्मचारियों का दर्जा प्रदान किया जाये जिससे इन्हें स्वास्थ्य एवं पेंशन की सुविधा प्राप्त हो सकेगी तो यह ग्रामीण डाक सेवक अपने कार्य को और अधिक सुचारू ढंग से करके भारतीय डाक विभाग का गौरव बढ़ा सके।